www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 327 | जौनपुर शनिवार, 18 जुलाई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली स्थित जंतर–मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया है। उनकी अनिश्चित कालीन भूख हड़ताल का आज 21वां दिन था। शनिवार सुबह दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए उन्हें मेडिकल आधार पर जंतर–मंतर स्थित विरोध स्थल से हटाया। फिलहाल, सफदरजंग अस्पताल के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सफदरजंग अस्पताल के अंदर और बाहर दिल्ली पुलिस की टीमें तैनात हैं। सोनम वांगचुक के समर्थक अस्पताल के अंदर न घुस सकें, इसके लिए पैरामेडिकल कोर्स को भी तैनात किया गया है। हालांकि, सोनम वांगचुक की पत्नी गीताजंलि अंग्मो अस्पताल पहुंची हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, ष्मैं दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हूं, जहां सोनम वांगचुक को भर्ती कराया गया है। मेरी, उनके परिवार और उन डॉक्टरों की सहमति के बिना उन्हें मुंह से या नस के जरिए कोई भी दवा या चीज नहीं दी जानी चाहिए, जो पिछले 20 दिनों से उनकी सेहत पर नजर रखे हुए हैं। इससे पहले, सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाते समय दिल्ली पुलिस को प्रदर्शनकारियों के विरोध का सामना करना पड़ा। पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच हल्की धक्कामुक्की भी हुई।

पुरी भगदड़ मामले में कांग्रेस ने प्रशासनिक व्यवस्था पर उठाए सवाल

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। पुरी रथ यात्रा के दौरान हुई भगदड़ की घटना पर कांग्रेस ने प्रशासन की भीड़ प्रबंधन व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। एआईसीसी के ओडिशा प्रभारी लालजी देसाई ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रशासन को अधिक सतर्क और प्रभावी व्यवस्थाएं करनी होंगी। आईएएनएस से बातचीत में लालजी देसाई ने कहा कि वह स्वयं रथ यात्रा के दौरान पुरी में मौजूद थे और पूरी व्यवस्था को करीब से देखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा जैसे आस्था के विषय का राजनीतिकरण नहीं करना चाहते, लेकिन प्रशासनिक व्यवस्थाओं में जो कमियां दिखाई दीं, उनकी ओर ध्यान दिलाना आवश्यक है। किसी भी सरकार और उसके पुलिस व प्रशासनिक तंत्र की जिम्मेदारी होती है कि इतने बड़े धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने दावा किया कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ पर विराजमान होने के बाद पीछे लगाए गए।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ खेल क्षेत्र में काम करने पर हुई चर्चा - पीएम मोदी

हरियाणा, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के जींद में शुक्रवार को अपनी सभा के दौरान खेल क्षेत्र को लेकर एक अहम बयान दिया। पीएम मोदी ने कहा कि हम ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ मिलकर खेल के क्षेत्र में काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे हरियाणा को भी फायदा होगा। हरियाणा खेल के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य है, इसलिए पीएम का बयान निश्चित रूप से हरियाणा और देश के खिलाड़ियों के उत्साह को बढ़ाने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में वहां की सरकारों से खेल को लेकर मेरी व्यापक चर्चा हुई है। इन दोनों देशों के साथ मिलकर

आने वाले समय में हम खेल उद्योग, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण जैसे बहुत सारे काम साथ मिलकर करने वाले हैं। इससे हरियाणा के युवाओं को भी बहुत लाभ होगा। पीएम ने कहा कि साल 2030 में भारत कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा। ओलंपिक 2036 की मेजबानी हासिल करने के लिए भी हम पूरी तैयारी कर रहे हैं। हर खिलाड़ी को जोरदार तैयारी करनी है। पूरा दमखम लगाना है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हमारी सरकार आपको सभी सुविधाएं देगी। अगले 2036 के ओलंपिक के लिए हमें 5 से 10 साल की उम्र के बच्चों पर ध्यान देना होगा। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भी अपने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म पर पीएम के भाषण की वीडियो क्लिप साझा की है। पीएम मोदी हाल ही में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे पर थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान वहां के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने दोनों देशों के खेल संबंधों की चर्चा की थी। इस दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा संचालित बिग बैश लीग (बीबीएल) के अगले सीजन के पहले मैच का आयोजन चेन्नई के एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम में करने की घोषणा की थी।

बुलंदशहर से सीएम योगी की हुंकार– न कर्फ्यू, न दंगा, अब यूपी में सब चंगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गुलामी की मानसिकता को छोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सच्ची देशभक्ति सिर्फ अधिकारों के लिए नारे लगाने में नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों को पूरा करने में है। बुलंदशहर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोग अक्सर अपने अधिकारों की मांग तो करते हैं, लेकिन ऐसी मांगें कभी भी देश, समाज या संस्थानों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। उनके अनुसार, एक अनुशासित शिक्षक जो समय पर शिक्षा पूरी करने के साथ–साथ अच्छे संस्कार भी देता है, वह नारों की तुलना में देश की कहीं अधिक सेवा करता है। सशस्त्र बलों का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को सबसे ऊपर रखना ही एक सैनिक की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के हितों के खिलाफ

कोई भी कदम मंजूर नहीं है और कहा कि निस्वार्थ सेवा और त्याग की भावना ही भारत की सुरक्षा की रक्षा करती है और देश को मजबूत बनाती है। योगी ने हुंकार भरते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में हर जिले में दंगा होता था, हर थाने में माफिया था, हर जिले में सिंडिकेट था, जो युवाओं के रोजगार को प्रभावित करता था। 2007 से 2017 तक प्रदेश की शुगर मिलों को बेचा गया। अब ऐसा नहीं है। आज प्रदेश में ना कर्फ्यू है ना दंगा है, अब सब चंगा है। मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले के हालात की तुलना मौजूदा हालात से भी की। उन्होंने दावा किया कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में कोई भी जिला ऐसा नहीं था।

ऑस्ट्रेलिया में अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास पिच ब्लैक में अपनी ताकत दिखाएंगे भारतीय वायुसेना के राफेल विमान

ऑस्ट्रेलिया, (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के अत्याधुनिक राफेल लड़ाकू विमान ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में आयोजित होने वाले बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास श्पिच ब्लैकश में अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगे। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, यह अभ्यास 20 जुलाई से शुरू होकर 7 अगस्त तक चलेगा। वायुसेना का दल इस युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुका है। डार्विन में आयोजित होने वाला श्पिच ब्लैकश अभ्यास

रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय आयोजन है। तीन सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम में दुनिया के सबसे बड़े सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्रों में से एक में युद्ध जैसी जटिल परिस्थितियों का अभ्यास किया जाता है। भारतीय वायुसेना के मुताबिक, इस युद्धाभ्यास से विभिन्न देशों के बीच अभियानगत तालमेल बढ़ेगा और बेहतर कार्यप्रणालियों के आदान–प्रदान में मदद मिलेगी। वायुसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश के जरिए जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारतीय दल पिच ब्लैक–2026 अभ्यास में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंच गया है। हर दो साल में आयोजित होने वाले इस प्रमुख बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध अभ्यास में 19 देशों की वायुसेनाएं हिस्सा ले रही हैं। यह आपसी संचालन क्षमता बढ़ाने और अभियानगत सहयोग को मजबूत करने का एक अनूठा मंच है।

भारत रक्षा उत्पादन क्षेत्र में रचेंगा नया इतिहास - राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की विश्व–स्तरीय रक्षा तैयारियों को साबित किया है। उन्होंने इसकी सफलता का श्रेय केंद्र सरकार द्वारा सेना के आधुनिकीकरण और देश में ही रक्षा उपकरणों के उत्पादन को लगातार बढ़ावा देने को दिया। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता और वीरता का प्रमाण बताया और कहा कि उन्होंने आतंकवादियों और उनके समर्थकों को मुंहतोड़ जवाब दिया। सिंह ने कहा ऑपरेशन सिंदूर भारत की आधुनिक और बेहतरीन रक्षा तैयारियों का सबूत है। ये तैयारियाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की पिछले 12 सालों की लगातार कोशिशों से और

बेहतर हुई हैं, जिसमें राष्ट्र पहले और सेना पहले की भावना को प्राथमिकता दी गई है। सिंह के अनुसार, इस ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर एयर डिफेंस सिस्टम, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस मिसाइल जैसे स्वदेशी सिस्टम के साथ–साथ अन्य आधुनिक सैन्य उपकरणों को भी प्रभावी ढंग से तैनात किया गया था। रक्षा मंत्री ने कहा इस ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस जैसे एडवांस्ड सिस्टम के साथ–साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का भी प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया। यह पिछले 12 वर्षों में तैयार की गई नींव की वजह से संभव हुआ है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की कोशिशों का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों की ओर से जारी स्वदेशीकरण की पाँच सकारात्मक सूचियों में अब 509 रक्षा आइटम शामिल हैं, जबकि रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की ओर से जारी पाँच अतिरिक्त सूचियों में 5,012 आइटम शामिल हैं। मंत्री ने कहा जैसे–जैसे हम एक आत्मनिर्भर और सशक्त रक्षा क्षेत्र बनाने की दिशा में दृढ़ संकल्प और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, इस विजन को और गति देने के लिए जल्द ही एक और पॉजिटिव इंडिजनाइजेशन लिस्ट (स्वदेशीकरण की सकारात्मक सूची) जारी की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि 2014 की तुलना में 2025–26 में भारत का सालाना रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है। सिंह ने कहा हमारा सालाना डिफेंस प्रोडक्शन 2014 में लगभग 40,000 करोड़ रुपये से बढ़कर फाइनेंशियल ईयर 2025–26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

आप का दावा- अकाली दल के पास आंदोलन के लिए नहीं है कोई रोडमैप

पंजाब, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि शिरोमणि अकाली दल ने चुपचाप अपने प्रस्तावित ष्धर्म युद्ध मोर्चाष् को छोड़ दिया है। पार्टी ने सवाल उठाया कि 19 जुलाई को आंदोलन शुरू होने से कुछ दिन पहले भी पार्टी ने किसी कार्यक्रम या तैयारी की घोषणा क्यों नहीं की। यह बात ऐसे समय में सामने आई है जब अकाली दल चुनावी हार के बाद अपना राजनीतिक आधार फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, आप पंजाब के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने कहा कि इस घोषणा का मकसद कभी भी कोई गंभीर जन–आंदोलन खड़ा करना नहीं था,

बल्कि इसका मकसद भगवंत मान सरकार के साथ राजनीतिक टकराव पैदा करना था। उन्होंने कहा कि ष्।क प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने लगभग एक महीने पहले घोषणा की थी कि पार्टी 19 जुलाई को अकाल तख्त पर मत्था टेकने के बाद मार्च शुरू करेगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि केवल दो दिन बचे होने के बावजूद, आंदोलन के लिए न तो कोई कार्यक्रम और न ही कोई रूपरेखा सार्वजनिक की गई है। पन्नू ने दावा किया कि प्रस्तावित आंदोलन का जिक्र अकाली दल की हालिया कोर कमेटी की बैठक में नहीं हुआ, जिससे संकेत मिलता है कि पार्टी चुपचाप अपने ही आह्वान से पीछे हट गई है। पन्नू ने पार्टी के इरादों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि अगर अकाली दल तय तारीख पर आंदोलन शुरू करने को लेकर गंभीर था, तो उसने कार्यक्रम, अपनी रणनीति या नेतृत्व के बारे में जानकारी क्यों नहीं दी। आप नेता ने एसएडी के पुराने रिकॉर्ड पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी ने बार–बार पंजाब के लोगों को गुमराह किया और 2007–17 के अपने कार्यकाल के दौरान ड्रग्स की समस्या को बढ़ने दिया। 2015 में हुई बेअदबी की घटनाओं का जिक्र करते हुए।

पुरी रथयात्रा में बिना ताहिया के निकले महाप्रभु जगन्नाथ, ओडिशा में सियासी बवाल, बीजद और कांग्रेस ने सरकार को घेरा

पुरी, (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध पुरी रथयात्रा के दौरान एक अभूतपूर्व घटना को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। भगवान जगन्नाथ को उनके पारंपरिक पुष्प मुकुट श्ताहियाश पहनाए बिना ही मंदिर से बाहर रथ तक लाया गया। इस चूक को लेकर ओडिशा की सियासत गरमा गई है और विपक्षी दलोंकृबीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेसकृने राज्य की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखा हमला बोला है। यह विवादित घटना बृहस्पतिवार को उस समय हुई, जब भगवान जगन्नाथ को 12वीं सदी के ऐतिहासिक मंदिर से श्पहंडीश रस्म के तहत बाहर लाया जा रहा था। आमतौर पर इस रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ, उनके भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा भव्य पुष्प मुकुट श्ताहियाश धारण करते हैं। हालांकि, इस बार भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के विग्रहों पर तो श्ताहियाश मौजूद था, लेकिन महाप्रभु जगन्नाथ का विग्रह बिना मुकुट के ही नजर आया। भारतीयनौसेना जानकारी श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने कहा कि सेवकों ने विग्रह के खुले स्थान पर पहुंचने

से कुछ देर पहले बारिश के कारण 'ताहिया' उतार दिया था। विपक्षी दलों ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि रथयात्रा हर वर्ष बारिश के मौसम में होती है, लेकिन सदियों पुरानी परंपरा को पहले कभी ऐसे दरकिनार नहीं किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा, ''इस बार भगवान के 'ताहिया' के बिना श्रद्धालुओं के सामने आने से लाखों भक्तों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

लोकतंत्र में बातचीत ही एकमात्र रास्ता – ममता बनर्जी

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बातचीत करने के बजाय शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को दबा रही है। एक्स पर एक पोस्ट में बनर्जी ने वांगचुक की सेहत को लेकर चिंता जताई और कहा कि सोनम वांगचुक की सेहत और भलाई को लेकर मैं बहुत चिंतित हूं। उन्होंने सिर्फ बातचीत की मांग की थी, लेकिन हफ्तों से उनकी अपील पर कोई जवाब नहीं दिया गया है। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण असहमति पर बातचीत होनी चाहिए, न कि चुप्पी साधी जानी चाहिए। बनर्जी ने आरोप लगाया कि वांगचुक की आवाज को, कई युवा भारतीयों की आवाज की तरह ही, नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने कहा उनकी आवाज को नजरअंदाज किया गया है, ठीक वैसे ही जैसे अनगिनत युवा भारतीयों की आवाज को लगातार नजरअंदाज किया जाता रहा है। उन्होंने यह भी मांग की कि वांगचुक को प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करने की इजाजत दी जाए और कहा कि अगर जरूरत हो तो नागरिक इसका खर्च उठाने के लिए आजाद होने चाहिए। बनर्जी ने कहा कि उन्हें प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करने की इजाजत मिलनी चाहिए और अगर जरूरत हो तो नागरिक इसका खर्च उठाने के लिए आजाद हों।

श्रावण मेला की तैयारियों को लेकर मंडलायुक्त ने डीआईजी के साथ किया समीक्षा बैठक

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। श्रावण मास–2026 के दौरान आयोजित होने वाले श्रावण झूला मेला, कांवड़ यात्रा एवं विभिन्न धार्मिक आयोजनों के सफल,सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन को लेकर मंडलायुक्त राजेश कुमार की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।समीक्षा बैठक मंडलायुक्त राजेश कुमार के अलावा डीआईजी सोमेन बर्मा, डीएम शशांक त्रिपाठी, एसएसपी डा.गौरव ग्रोवर,डीएफओ प्रखर गुप्ता,अपर जिलाधिकारी नगर योगानंद पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।श्रावण मास के चारों सोमवार क्रमशः 3 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त एवं 24 अगस्त को पड़ेंगे।इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों के अयोध्या आगमन की संभावना है।बताया गया कि श्रावण मास का प्रारंभ 30 जुलाई से होगा तथा कांवड़ यात्रा 8 अगस्त से शुरू होगी।श्रावण झूला मेला 15 अगस्त को मणिपर्वत झूलनोत्सव के साथ प्रारंभ होगा।इसके अतिरिक्त नागपंचमी, गोस्वामी तुलसीदास जयंती, पुत्रदा एकादशी, प्रदोष व्रत, शिवरात्रि तथा रक्षाबंधन सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के अयोध्या आगमन की संभावना है।मंडलायुक्त राजेश कुमार ने कहा कि अयोध्या में बहराइच, गोंडा, बस्ती, अंबेडकरनगर, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली एवं बाराबंकी सहित अनेक जनपदों से श्रद्धालु एवं कांवड़िये पहुंचेंगे।ऐसे में सुरक्षा,यातायात, स्वच्छता, पेयजल,स्वास्थ्य, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। डीआईजी सोमेन वर्मा ने निर्देश दिए कि रूट चार्ट पूर्व निर्धारित किया जाए।घाटों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग की जाए तथा सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाया जाए।बैठक में विभिन्न विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। पुलिस विभाग को व्यापक सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात योजना तैयार करने, नगर निगम को घाटों एवं मेला क्षेत्रों में नियमित साफ–सफाई सुनिश्चित करने तथा जर्जर भवनों में श्रद्धालुओं के ठहराव पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए।विद्युत विभाग को कंट्रोल रूम की सतत निगरानी, विद्युत पोलों पर प्लास्टिक कवर लगाने,ट्रांसफार्मरों की बैरिकेडिंग करने तथा पंचकोसी मार्ग सहित प्रमुख मार्गों पर मेला प्रारंभहोने से पूर्व प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।अयोध्या विकास प्राधिकरण को प्रमुख मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था, साफ–सफाई, प्रवेश द्वारों पर साइनेज की मरम्मत तथा सेल्फी प्वाइंट विकसित करने को कहा गया।खाद्य सुरक्षा विभाग को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित जांच एवं दुकानों पर रेट चार्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित

कराने के निर्देश दिए गए।पशु पालन विभाग एवं नगर निगम को छुट्टा पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर संरक्षित करने, रोडवेज विभाग को अतिरिक्तबसों की व्यवस्था करने तथा रेलवे प्रशासन को आवश्यकता पड़ने पर विशेष ट्रेनों के संचालन के लिए तैयारी रखने को कहा गया।उद्यान विभाग को सभी पाकों में स्वच्छता एवं प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा पर्यटन विभाग को प्रमुख स्थलों पर हेल्प डेस्क स्थापित कर श्रद्धालुओं को आवश्यक जानकारी एवं सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।बैठक के अंत में मंडलायुक्त ने कहा कि श्रावण झूला मेला–2026 के दौरान सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित,सुगम, स्वच्छ एवं व्यवस्थित वातावरण में दर्शन एवं धार्मिक आयोजनों का लाभ मिले।

संपादकीय

दृढ़ता का प्रशंसनीय उदाहरण

अमेरिका में जजों के बहुमत ने महसूस किया कि कोई संवैधानिक व्यवस्था उस स्थिति में स्थिर ढंग से नहीं चल सकती, अगर गणराज्य की मूलभूत इकाई– नागरिक– की परिभाषा मनमाने ढंग से तय की जाती हो। जिस समय भारत में नागरिकता के प्रमाण–पत्र को लेकर जानबूझकर अनिश्चय पैदा कर दिया गया है, अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने दृढ़ता का प्रशंसनीय उदाहरण पेश किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने नागरिकता के इस नियम को बदलने का प्रयास किया कि अमेरिकी भूमि पर जन्मा हर व्यक्ति वहां का नैसर्गिक नागरिक है। सुप्रीम कोर्ट ने अब ट्रंप के इस आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि नागरिकता की अवधारणा को डेढ़ सौ साल पहले संवैधानिक रूप से स्पष्ट कर दिया गया था, जिसे मनमाने ढंग से नहीं बदला जा सकता। हालांकि इस प्रश्न पर अमेरिका में उभरे तीखे राजनीतिक मतभेद और सामाजिक ध्रुवीकरण की छाया कोर्ट पर भी पड़ी। उसने 5–4 के बहुमत से ये फैसला सुनाया। यानी चार जजों ने मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन के विदेशी विद्वेष से भरे एजेंडे के तहत लिए ट्रंप के निर्णय का पक्ष लिया। फिर भी इस निर्णय ने अमेरिकी न्यायपालिका में मौजूद स्वतंत्र चिंतन और संवैधानिक भावना के पक्ष में खड़े होने की भावना की पुष्टि की है। जजों के बहुमत ने महसूस किया कि कोई संवैधानिक व्यवस्था उस स्थिति में स्थिर ढंग से नहीं चल सकती, अगर गणराज्य की मूलभूत इकाई– नागरिक– की परिभाषा मनमाने ढंग से तय की जाती हो। इसलिए उसने 1868 में पारित 14वें संविधान की भावना के मुताबिक नागरिकता के नियमों में हेरफेर की कोशिश को नाकाम कर दिया है। संयोगवश ये फैसला उस समय आया है, जब भारत में भी नागरिकता की निर्धारित परिपाटी को मनमाने नियमों के जरिए चुनौती दी गई है। पश्चिम बंगाल में मोदी सरकार के विरोधी रहे एक अंग्रेजी अखबार के पूर्व संपादक का पासपोर्ट वोटर लिस्ट में नाम ना होने के आधार पर रीन्यू ना करने की घटना ने ऐसे मनमाने में निहित खतरे को स्पष्ट कर दिया है। संबंधित व्यक्ति का वोटर लिस्ट से नाम एसआईआर के दौरान हटा, जिसके बारे में एक धारणा यह है कि ये पूरी प्रक्रिया मनमाने ढंग से अंजाम दी गई। क्या भारतीय न्यायपालिका से आज ये उम्मीद की जा सकती है कि वह नागरिकता के प्रश्न पर अमेरिकी कोर्ट जैसी दृढ़ता दिखाएगी?

भाजपा उम्मीदवार के यकायक बदलाव से उभरने लगे सुलगते सवाल

कमलेश

भोजपुरी में एक कहावत है– लइका मालिक, बूढ़ दीवान, मामला बिगड़े साँझ बिहान। यानी कि जिस घर का लड़का मालिक होता है और बूढ़ा व्यक्ति दीवान मतलब सलाहकार की भूमिका में आ जाता है तो वहां अच्छे और कार्यकुशल सुझावों पर भी विलंब से निर्णय होने के चलते मामला साँझ यानी शाम से सुबह तक कभी भी उलझ यानी बिगड़ जाता है। यदि पुरानी कुछ बातों को भूला भी दिया जाए तो हाल ही में बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा द्वारा घोषित उम्मीदवार अभिषेक कुमार सिन्हा (बंटी) का नामांकन वापस लेकर नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाए जाने से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की काफी किरकिरी हुई है। चूंकि उनका चयन प्रधानमंत्री मोदी के स्तर पर यकायक हुआ है, इसलिए उँगली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ भी उठी। बात इतनी सी नहीं है, बल्कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और उनके चहेते मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सियासी रणनीति भी अचानक सवालों के घेरे में आ गई। यही वजह है कि नई दिल्ली से लेकर पाटलिपुत्रध्पटना के सियासी गलियारों में राजनीतिक चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। लोग एक दूसरे से यह जानना चाह रहे हैं कि आखिर बांकीपुर उपचुनाव की उठापटक में हुए ष्उम्मीदवार बदलष के निर्णायक निर्णय में किसका पलड़ा भारी रहा– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का या केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री सह गृहमंत्री सम्राट चौधरी का! यक्ष प्रश्न है कि बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा को अपने ही घोषित उम्मीदवार को बदलने की नौबत क्यों आई? क्या यह राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष की विफलता नहीं है? क्या यह प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री या दोनों को गुमराह करके बदनाम करने की कोई नई चाल तो नहीं है? या फिर कुछ और बात है, एक तहकीकात तो बनती है, ताकि भविष्य में ऐसे फैसलों से बचा जा सके। वाकई बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा द्वारा पहले अभिषेक कुमार (बंटी) को उम्मीदवार बनाना और फिर उनका नाम वापस लेकर नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार घोषित करना स्वाभाविक रूप से कई सवाल खड़े करता है। आधिकारिक तौर पर अभिषेक कुमार ने ष्पारिवारिक कारणोंष का हवाला देकर नामांकन वापस लिया है। हालांकि राजनीतिक हलकों और मीडिया चर्चाओं में कुछ संभावित कारणों की चर्चा है, जिन्हें केवल अटकलों या विश्लेषण के रूप में ही देखा जाना चाहिए। चूंकि राष्ट्रीय व सूबाई मीडिया के राजनीतिक विश्लेषण में कुछ संभावित पहलुओं पर चर्चा हो रही है जो लाजिमी है और इसप्रकार से हैं पहली, उम्मीदवार की पृष्ठभूमि पर मिली नई जानकारी से उभरी चिंताएं कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि उम्मीदवार से जुड़े एक संभावित विवाद की जानकारी नामांकन के बाद सामने आने पर पार्टी ने जोखिम लेने के बजाय उम्मीदवार बदलना ही बेहतर समझा। चूंकि नामांकन के बाद कुछ ऐसी सूचनाएं सामने आईं जिन्हें पार्टी चुनावी दृष्टि से जोखिमपूर्ण मान रही थी। हालांकि इस पर भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दूसरी, स्थानीय संगठन की असहमतिरू कुछ विश्लेषकों का मानना है कि पटना महानगर और बांकीपुर के स्थानीय नेताओं का एक वर्ग घोषित उम्मीदवार के पक्ष में पूरी तरह सहज नहीं था। यदि ऐसा था, तो चुनाव प्रबंधन प्रभावित होने की आशंका रही होगी। भाजपा बांकीपुर को अपनी परंपरागत मजबूत सीट मानती है। यदि आंतरिक सर्वे या फीडबैक में उम्मीदवार को लेकर नकारात्मक संकेत मिले हों, तो अंतिम समय में बदलाव को बेहतर विकल्प माना गया होगा। यदि पार्टी को लगा कि उम्मीदवार से जुड़ा कोई विवाद चुनाव प्रचार के दौरान बड़ा मुद्दा बन सकता है, तो उसने पहले ही उम्मीदवार बदलकर संभावित नुकसान कम करने की कोशिश की हो सकती है। पांचवीं, क्या यह नेतृत्व की विफलता है?रू इसके दो पक्ष हैं–यदि उम्मीदवार की पूरी जांच के बाद ही नाम घोषित हुआ था और बाद में वही कारण बदलने की वजह बना, तो प्रारंभिक जांच प्रक्रिया पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लेकिन यदि नामांकन के बाद कोई नई और महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई, तो

उम्मीदवार बदलना संगठन की त्वरित प्रतिक्रिया भी माना जा सकता है। छठी, क्या यह संगठन की विफलता है?रू यदि किसी उम्मीदवार को केंद्रीय चुनाव समिति तक मंजूरी मिलने के बाद बदलना पड़े, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रारंभिक जांच पूरी तरह हुई थी या नहीं। इस दृष्टि से आलोचक इसे संगठनात्मक कमी मान सकते हैं। या फिर यह नुकसान सीमित करने की रणनीति थी? यह भी तर्क दिया जा सकता है कि यदि नामांकन के बाद कोई नई जानकारी सामने आए और पार्टी तुरंत निर्णय लेकर उम्मीदवार बदल दे, तो इसे नुकसान नियंत्रित करने की रणनीति भी माना जा सकता है। ऐसी स्थिति में बाद में बड़ा विवाद झेलने की बजाय तत्काल निर्णय लेना नेतृत्व की सक्रियता भी माना जा सकता है। यहां यह कहना कि यह केवल राष्ट्रीय अध्यक्ष या प्रदेश अध्यक्ष की विफलता है, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अभी जल्दबाजी होगी। वहीं यह कहना भी उचित नहीं होगा कि सब कुछ सामान्य था। दोनों संभावनाओं के बीच सच्चाई इस बात पर निर्भर करेगी कि उम्मीदवार बदलने की वास्तविक वजह क्या थी, जिसे भाजपा ने सार्वजनिक रूप से विस्तार से नहीं बताया है। ऐसे में यदि भविष्य में यह स्पष्ट हो जाए कि विवादित जानकारी पहले से उपलब्ध थी और जांच में चूक हुई, तो संगठनात्मक जवाबदेही का प्रश्न अधिक मजबूती से उठेगा। लेकिन यदि जानकारी बाद में सामने आई और उसी आधार पर निर्णय लिया गया, तो इसे जोखिम प्रबंधन के रूप में भी देखा जा सकता है। दसवीं, भाजपा ने कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी, इसलिए सबकुछ भविष्य पर निर्भररू चूंकि बांकीपुर उपचुनाव में उम्मीदवार बदलने के पीछे के ष्अंदरूनी कारणोंष पर अभी तक भाजपा ने कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। इसलिए किसी एक कारण को तथ्य के रूप में कहना उचित नहीं होगा। हालांकि इस समय उपलब्ध सार्वजनिक तथ्यों के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है कि उम्मीदवार परिवर्तन का वास्तविक कारण क्या था। इसलिए किसी विशेष व्यक्ति, गुट या नेतृत्व पर निश्चित आरोप लगाना तथ्यों से परे होगा। यदि भविष्य में आधिकारिक दस्तावेज, विश्वसनीय रिपोर्ट या संबंधित पक्षों के बयान सामने आते हैं, तब अधिक ठोस निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं। वहीं, एक अन्य चौपाली चर्चा के मुताबिक भाजपा का या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का, क्योंकि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के बिहार की सत्ता में आने के बाद से पहले मुख्यमंत्री बदल यानी नीतीश कुमार की जगह पर सम्राट चौधरी का राज्याभिषेक और अब बांकीपुर उपचुनाव में उम्मीदवार बदल यानी भाजपा द्वारा पूर्व में घोषित उम्मीदवार अभिषेक कुमार सिन्हा (बंटी) का नामांकन वापस लेकर नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाए ।

शक्ति के साथ मान्यता के लिये कॉकरोचों को राहुल की दरकार

गोपाल

पर्यावरणवादी कार्यकर्ता तथा आमिर खान की श्थ्री इडियट्सश के चलते देश भर में और बड़ी पहचान बनाने वाले सोनम के प्रति आदर भाव तो है लेकिन उन्होंने भाजपा सरकार के अनेक कामों का जिस तरह से समर्थन किया है, उनके चलते सोनम की राजनीतिक प्रतिबद्धता अपने आप में संदिग्ध है। तिस पर सोनम ने बिना किसी पूर्व तैयारी और या योजना के 28 जून से भूख हड़ताल शुरू कर दी। राजनीति समाचार पत्र केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) अमेरिका से लौटे अभिजीत दिपके के नेतृत्व में छह मई से दिल्ली के जंतर–मंतर पर धरना–प्रदर्शन कर रही है। लेह–लद्दाख के प्रसिद्ध पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का नाम दुनिया भर में आदर के साथ लिया जाता है। उनके नाम से सैकड़ों पेटेंट्स हैं और उन्होंने अपने क्षेत्र के नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के लिये अनेक आविष्कार किये हैं। उन्होंने शून्य से नीचे के तापमान में रहकर सरहदों की रक्षा करते भारतीय सैनिकों के लिये ऐसे शिविरों की ईजाद की है जिनमें रहकर हमारे जवान अधिक सुविधाओं के साथ निगहबानी कर रहे हैं। किसी भी जागरूक नागरिक और सामाजिक कार्यकर्ता की तरह देश के दूरदराज इलाके में रहने वाले सोनम को वे सारे मुद्दे उद्वेलित करते हैं और वे गांधीवादी तरीके से उनका हल भी चाहते हैं। उनकी यही पवित्र मंशा कभी उन्हें लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची (आदिवासी क्षेत्रों में सुरक्षा सम्बन्धी नियम) लागू करने की मांग को लेकर हुए आंदोलन में (जो हिंसक हो गया था) शामिल होने के चलते राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत जोधपुर जेल में 170 दिन के लिये पहुंचाती है, तो वहीं नीट समेत अनेक परीक्षाओं के लीक होने और देश की शिक्षा व्यवस्था की दुर्दशा पर उनकी चिंता उन्हें सीजेपी के आंदोलन में शामिल होने के लिये प्रेरित करती है।उनकी मंशा बेशक असंदिग्ध है, लेकिन वे देश की मुख्यधारा की राजनीति से नावाकिफ हैं। न ही वे बदले हुए निजाम के मिजाज को ठीक से भांप पाए हैं। यदि सोनम वे इसे ठीक से पहचानते तो शायद ही जंतर–मंतर का रुख करते। ऐसा कहने के कई कारण हैं। उनमें मुख्य तो यह है कि ज्यादातर युवाओं की सदस्यता वाली सीजेपी कोई संगठित दल नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत द्वारा सोशल मीडिया पर टाइम पास करते हुए उन बेकार नौजवानों को कॉकरोच कहने से आहत हुए लोगों, खासकर छात्रों व युवाओं का सोशल मीडिया पर बना डिजिटल समूह मात्र है। सरकार के नजरिये से वह किसी वर्ग का अधिकृत प्रतिनिधित्व नहीं करती। अमेरिका में पढ़ने गये दिपके द्वारा कुछ मीम्स, कार्टून्स, रील्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) निर्मित वीडियो आदि बनाकर मुख्य न्यायाधीश के बयान, शिक्षा के प्रति सरकार की उपेक्षा आदि की आलोचना की गयी।तीन मई को हुई नीट की परीक्षा, जिसमें देश के लगभग 23 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए थे, 12 मई को रद्द कर दी गयी थी। इससे व्यथित छात्र–छात्राएं और युवा, यहां तक कि सामान्य नागरिक भी सीजेपी से जुड़ गये। सदस्यता की कोई विधिवत प्रणाली तो है नहीं, इसलिये जिसने खुद को कॉकरोच माना वह सीजेपी का सदस्य बन गया। न तो उसका कोई पंजीकरण हुआ है और न ही वह चुनाव आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त दल है। इसकी शुरुआती लोकप्रियता से आशंकित सरकार के इशारे पर अभिजीत का इंस्टाग्राम एकाउंट सस्पेंड कर दिया गया लेकिन उनके नये एकाउंट को भी तगड़ा प्रतिसाद मिला। अनेक युवाओं ने अपने फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स खातों के जरिये सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। माना गया कि ये सारे ही सीजेपी के सदस्य हैं। फॉलोवर्स की संख्या दो करोड़ तक देखते ही देखते पहुंच गयी।वांगचुक शायद इससे प्रभावित हुए होंगे जबकि उन्हें धरना स्थल पर पहुंचकर इस तथ्य को तुरंत भांप लेना था कि दो करोड़ की फॉलोइंग वाले संगठन का कोई ठोस अस्तित्व नहीं है। इसलिये धरना स्थल पर पहले दिन कुछ हजार लोग ही पहुंचे। वैसे तो उन्हें अमेरिका से लौटने पर जिस तरह से दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर ही जंतर–मंतर पर आंदोलन करने की इजाजत दे दी थी– वही यह बतलाने के लिये काफी था कि भाजपा ने इस आंदोलन को फुस्स करने के पहले ही पुख्ता इंतजाम कर लिये हैं। सरकार को पता है कि सीजेपी कोई संगठित या मान्यताप्राप्त सियासी दल तो है नहीं जो भाजपा को राजनीतिक नुकसान पहुंचा सके। 2011 के लोकपाल आंदोलन में अभिजीत की संलिप्तता कुछ दिन पहले उजागर हुई थी। देश को उस आंदोलन का, जिसे श्अण्णा हजारे आंदोलनश भी कहा जाता है, कड़ुवा अनुभव रहा है। उसमें घुसे भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोगों ने आंदोलन से आम आदमी पार्टी को बनने में मदद की। उसके बूते खुद 2014, 2019 व 2024 में केन्द्र में और इन 12 वर्षों में कई राज्यों में अपनी सरकारें बना लीं।पर्यावरणवादी कार्यकर्ता तथा आमिर खान की श्थ्री इडियट्सश के चलते देश भर में और बड़ी पहचान बनाने वाले सोनम के प्रति आदर भाव तो है लेकिन उन्होंने भाजपा सरकार के अनेक कामों का जिस तरह से समर्थन किया है, उनके चलते सोनम की राजनीतिक प्रतिबद्धता अपने आप में संदिग्ध है। तिस पर सोनम ने बिना किसी पूर्व तैयारी और या योजना के 28 जून से भूख हड़ताल शुरू कर दी। उनकी बिगड़ती तबियत को देखते हुए अनेक लोगों ने उनसे अनशन तोड़ने की अपील की है जिसके लिये वे अब तक तो तैयार नहीं हैं। उनकी जान बचाने का आग्रह करती एक याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में डाली गयी है। असली बात यह है कि अब तक न शिक्षा विभाग से कोई आंदोलनरत कॉकरोचों से बात करने आया है और न ही केन्द्र ने इस आंदोलन को खत्म करने में रूचि दिखलाई है। सोनम एवं अभिजीत के साथ जंतर–मंतर में उम्मीद लगाये हजारों युवा इस गलतफहमी में हैं कि लोकपाल आंदोलन के नेताओं से जिस प्रकार मनमोहन सिंह सरकार ने लोकतांत्रिक तरीके से बातचीत कर समझौता किया था, वैसा ही कुछ भाजपा करेगी। वे भूल रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इसी सरकार ने अपने उत्पादों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग करते किसानों को तकरीबन डेढ़ वर्ष तक दिल्ली की टिकरी, गाजीपुर व सिंधु बॉर्डर पर सड़ाया था। इसमें लगभग 800 किसानों ने शहादत दी थीय जिसके बारे में मोदी ने कहा था– श्वे क्या मेरे लिये मरे हैं? उन्हें यह भी ख्याल में रखना था ।

बेलगाम महंगाई, बेपरवाह सरकार

जगदीश

केंद्र सरकार के तमाम दावों के विपरीत देश में महंगाई एक भयंकर समस्या की तरह छा चुकी है और ऐसा लग रहा है कि देश गंभीर आर्थिक संकट का शिकार होने जा रहा है। नरेन्द्र मोदी समेत भाजपा के तमाम नेता केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों के लिए डबल इंजन सरकार का विशेषण इस्तेमाल करते हैं। इसका अभिप्राय यह हुआ कि एक इंजन जितनी क्षमता से गाड़ी खींचेगा, डबल इंजन दोगुनी ताकत लगाएगा, यानी हर चीज में रफ्तार बढ़ेगी। कायदे से इस विशेषण का सकारात्मक असर दिखना चाहिए था, लेकिन फिलहाल डबल इंजन सरकारों के दौर में महंगाई का श्डबल अटैकश यानी दोगुना वार देखा जा रहा है। पहले खुदरा महंगाई दर के बढ़ने की खबर आई और अब सरकारी आंकड़े ही बता रहे हैं कि थोक महंगाई दर भी उम्मीद से ज्यादा बढ़ गई है। मंगलवार को सरकार की ओर से जून का होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) यानी थोक महंगाई का आंकड़ा जारी किया गया, जिसके मुताबिक, थोक महंगाई जून में बढ़कर ९.८७ प्रतिशत पर जा पहुंची, जो इससे पहले मई महीने में ९.६८ प्रतिशत थी। इससे पहले सोमवार को सरकार ने खुदरा महंगाई दर का आंकड़ा जारी किया था। जिसमें पता चला कि जून में खुदरा महंगाई तेजी से बढ़ते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के तय ४ प्रतिशत के लक्ष्य के पार निकल गई है। ये लगातार छठा महीना है, जबकि महंगाई दर में बढ़ोतरी हुई हैखाद्य पदार्थों की कीमतों में भी महीने दर महीने ३.७५ प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है, जबकि जबकि गैर–खाद्य पदार्थों की कीमतों में १.४३ प्रतिशत का इजाफा हुआ। सरकार के पास इस महंगाई को सही ठहराने के तर्क भी मौजूद हैं, जो बाकायदा अर्थशास्त्रियों की जुबान से समझाए जाने लगे हैं। जैसे बताया जा रहा है कि इस बार थोक महंगाई को बढ़ाने में सबसे बड़ा हाथ खाद्य उत्पादों और गैर–खाद्य वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों का रहा है। बारिश की कमी और अल नीनो के प्रभाव के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है, जिससे जून में खाद्य महंगाई दर बढ़कर ५.४६ प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में महज ३.६० प्रतिशत थी। इसके साथ ही, गैर–खाद्य वस्तुओं की थोक महंगाई दर भी उच्च स्तर पर यानी ११.०७ प्रतिशत दर्ज की गई। हालांकि जून में ईंधन महंगाई दर घटकर २७.४१ प्रतिशत रह गई, जो मई में ३०.३३ प्रतिशत के चरम स्तर पर थी। इसके पीछे कारण यह है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की घोषणा हुई तो जून में वैश्विक कमोडिटी और कच्चे तेल की कीमतों को थोड़ी राहत मिली थी, जिसका असर घरेलू स्तर पर भी दिखा। लेकिन अब तो फिर जंग छिड़ गई है, लिहाजा ईंधन महंगाई दर भी अब बढ़ेगी और उस वजह से फिर सारी चीजों को महंगा करने का अच्छा बहाना मिल जाएगा।इसलिए अभी से बताया जा रहा है कि जुलाई २०२६ में थोक महंगाई दर १० प्रतिशत के पार जा सकती है। थोक महंगाई का सीधा असर खुदरा महंगाई पर पड़ता ही है। आरबीआई ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए अपने महंगाई अनुमान को ४.६ प्रतिशत से बढ़ाकर ५.१ प्रतिशत कर दिया है, क्योंकि ईंधन की ऊंची वैश्विक कीमतों का असर अब खुदरा पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर भी दिखने लगा है। इसका सीधा मतलब यह है कि आने वाले समय में ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम है और आम उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ बढ़ सकता है। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर उत्पादन क्षेत्र पर बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो उत्पादक इसका बोझ ग्राहकों पर डाल देते हैं। यहीं सरकार की भूमिका अहम हो जाती है कि वह कीमतों को नियंत्रित करने के लिए शिद्दत से कोशिश करती है या नहीं।ऐसा तो नहीं है कि महंगाई आसमान से टपकती है। वह इसी दुनिया के व्यापारियों और सरकारों के बनाए नियमों से संचालित होती है और उसमें कहां, कितना सुधार किया जा सकता है यह हरेक देश की सरकारों को सोचना होता है। बुनियादी जरूरत, सुविधाएं और विलासिता इनमें हमेशा से फर्क रहता आया है। इसी वजह से दुनिया में वर्ग विभेद कायम हुआ और बना ही रहा। भारत भी इनसे अछूता नहीं था। लेकिन पहले कम से कम रोटी, कपड़ा और मकान विलासिता की श्रेणी में नहीं आते थे। अब बढ़ती महंगाई यही असर दिखा रही है। सरकार दावा कर सकती है कि उसने गरीबों के लिए आवास योजना चलाई है, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से देश के लगभग ८० करोड़ (८१.३५ करोड़) से अधिक लोगों को हर महीने मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है। कोविड लॉकडाउन में शुरु हुई इस योजना की अवधि बार–बार बढ़ाई जाती रही। १ जनवरी २०२४ से योजना को अगले ५ साल यानी दिसंबर २०२८ तक के लिए बढ़ा दिया है। इस योजना का उद्देश्य देश के गरीब और जरूरतमंद परिवारों को खाद्य और पोषण सुरक्षा प्रदान करना है। लेकिन पांच किलो गेहूं या चावल से कौन से पोषण की भरपाई हो रही है ।

जवाबदेही और जिम्मेदारी से पीठा छुड़ाने की पैंतरेबाजी

राजेश

राजनीति समाचार पत्र भाजपा ने समान नागरिक संहिता, धारा 370 और राम मंदिर को अपनी राजनीतिक पहचान का मुख्य मुद्दा बनाया है। उसकी प्राथमिकता सूची में गवर्नेंस की महत्वपूर्ण जगह है। प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर रुख अपनाने की याद बार–बार दिलाते हैं। वे चुनाव सभाओं और कार्यक्रमों में कहते हैं, उनकी सरकार भ्रष्टाचार के सख्त खिलाफ है। अब उनके वादे और भाषणों की कड़ी परीक्षा का समय है। भारत में भ्रष्टाचार सर्वव्यापी है। कई सरकारी दफ्तरों में आम लोगों के काम से जुड़ी फाइलें रिश्वत के बिना आगे नहीं बढ़ती हैं। सरकारी ठेकों के टेंडर पास कराने में धांधली की शिकायतें आम हैं। विभिन्न स्तरों पर हजारों, लाखों और करोड़ों रुपए के घोटाले हो रहे हैं। शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश, सरकारी नौकरियों में भर्ती की प्रतियोगी परीक्षाएं सुरक्षित नहीं हैं। परीक्षाओं से पहले उनके पेपर लीक हो जाते हैं। प्रश्नपत्रों की बिक्री लाखों रुपए में होती है। और तो और लाखों, करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र धर्मस्थल तक घोटालों से परे नहीं हैं। यह सिलसिला वर्षों से चल रहा है। फिर भी, उन लोगों की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता है जो इसके लिए सीधे जवाबदेह और जिम्मेदार हैं। सार्वजनिक जीवन में भ्रष्ट आचरण,अनीति और अनैतिकता को सामान्य मान लिया गया है।अभी हाल के महीनों में कदाचरण के कुछ मामले सुर्खियों में रहे हैं। इनमें राममंदिर, अयोध्या से करोड़ों रुपए के चढ़ावे की चोरी और राष्ट्रीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) के पेपर लीक होने के मामले प्रमुख हैं। दोनों ही मामलों में सरकारी एजेंसियों ने कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। यूपीए–2 सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार को चुनाव अभियान का प्रमुख मुद्दा बनाकर सत्ता में आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों मामलों में खामोश हैं। उन्होंने मनमोहन सिंह की सरकार के समय टू जी स्पेक्ट्रम के आबंटन और कोयला खदानों की नीलामी में धांधली को प्रमुख मुद्दा बनाया था। वे और भाजपा के नेता चुनाव सभाओं में पूर्व यूपीए सरकार पर तीखे प्रहार करते थे। लेकिन अब मौन हैं।प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी रणनीतिक हो सकती है। मोदी मन की बात में छात्रों से परीक्षा पर चर्चा करते हैं। लेकिन उन्होंने नीट पेपर लीक पर एक शब्द नहीं कहा है। वे उन मुद्दों पर ही बोलते हैं जिनसे उन्हें फायदा हो सकता है। हमेशा अपनी उपलब्धियों का जिक्र करते हैं। अपनी सरकार की विफलता और खामियों को स्वीकार नहीं करते हैं। नोटबंदी और कोविड–19 के अचानक घोषित लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था को जबर्दस्त आघात लगा था। लेकिन इन फैसलों के नकारात्मक पहलुओं को कभी याद नहीं किया जाता है। दूसरी ओर कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार को सत्ता से हटे 12 साल हो चुके हैं लेकिन सत्ताधारी दल के प्रमुख नेता विदेश नीति, अर्थव्यवस्था, गवर्नेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, कानून व्यवस्था सहित तमाम मसलों पर पूर्व सरकार को निशाना बनाते हैं।अपनी अक्षमता, गलत फैसलों पर चुप्पी साधने और पूर्व सरकारों को दोषी ठहराने का अनंत सिलसिला जनमत को प्रभावित करने की योजना का हिस्सा है। इसके तहत पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस नेताओं की तुलना में भाजपा के नेता ज्यादा याद करते हैं। भाजपा समर्थक इकोसिस्टम और ट्रोल आर्मी ने नेहरू के बारे में तरह–तरह के किस्से फैलाए हैं। नेहरू का निधन 62 वर्ष पहले हो चुका है पर आजाद भारत की हर समस्या का दोष उन पर मढ़ा जाता है। संसद में उन पर तीखे प्रहार हुए हैं। नेहरू के लिए भाजपा के अतिशय प्रेम का नतीजा है कि अब सोशल मीडिया मीम्स, अखबारों के कार्टूनों और आपसी चर्चा में लोग मजाक में कहने लगे हैं कि पता लगाओ, फलां समस्या के लिए कहीं नेहरू तो दोषी नहीं हैं। गनीमत है, राममंदिर में हुए भ्रष्टाचार पर किसी ने अब तक नेहरू को जिम्मेदार नहीं ठहराया है।सार्वजनिक जीवन में व्याप्त भ्रष्टाचार को देखते हुए शायद संघ परिवार उम्मीद कर रहा होगा कि अन्य मामलों के समान कुछ समय बाद लोग अयोध्या के घटनाक्रम को भी भूल जाएंगे। सवाल है, क्या ऐसा हो सकता है। अतीत पर नजर डालने से राजनीति में भ्रष्टाचार के मुद्दे की प्रमुखता और राम मंदिर आंदोलन पर रोशनी पड़ती है। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद उमड़ी सहानुभूति लहर के कारण 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 400 से अधिक सीटें मिली थीं। भाजपा दो सीटों तक सिमट गई थी। इस बीच, विश्व हिंदू परिषद ने राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन कर दिया था। फिर बोफोर्स तोपों की खरीद में 64 करोड़ रुपए की रिश्वत दिए जाने के आरोपों से अलोकप्रिय हुए राजीव गांधी और कांग्रेस को 1989 के चुनाव में सत्ता गंवाना पड़ी थी। आजादी के बाद पहला मौका था जब केवल भ्रष्टाचार के आरोपों

पर किसी सत्ताधारी दल को चुनावी हार का मुंह देखना पड़ा। कांग्रेस छोड़कर जनता दल बनाने वाले विश्वनाथ प्रताप सिंह ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। वीपी सिंह और भाजपा के बीच मतभेद जल्द सामने आ गए। वीपी सिंह ने भाजपा की असहमति के बावजूद शिक्षण संस्थाओं और सरकारी नौकरियों में पिछड़ों को आरक्षण देने के लिए मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू कर दिया। उधर, भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने सितंबर 1990 में सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा शुरू कर दी। भाजपा ने मंदिर आंदोलन को देश का आध्यात्मिक पुर्नजागरण करार दिया। निश्चित रूप से मंदिर आंदोलन ने देश की राजनीतिक दिशा बदल दी है। रथयात्रा से धार्मिक भावनाएं भड़कीं। देश में कई जगह दंगे हुए। 1992 में संघ परिवार की सक्रियता से अयोध्या में जुटे कारसेवकों ने बाबरी मस्जिद को ढहा दिया। उस वक्त शिला पूजन के लिए लोगों ने उदारता से दान दिया था। 2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने मंदिर निर्माण का रास्ता खोला। फरवरी 2020 में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के समान मंदिर निर्माण समिति के गठन में केंद्र सरकार की निर्णायक भूमिका रही। 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के साथ भाजपा का एक मुख्य चुनावी वादा अमल में आ गया। यह धर्म के नाम पर तीस साल से चल रहे ।

विशेष लोक अदालत में 327 मामलों का निस्तारण, यूनियन बैंक के 298 मामलों में 48 लाख रुपये का हुआ समझौता

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर शनिवार को जनपद न्यायालय परिसर में एनआई एक्ट, 1881 की धारा–138 एवं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सुशील कुमार शशि ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। यह विशेष लोक अदालत जनपद न्यायाधीश के मार्गदर्शन तथा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय एवं नोडल अधिकारी लोक अदालत रणजीत कुमार और प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सिविल जज (सीडी) विवेक कुमार सिंह की देखरेख में आयोजित हुई। इस अवसर पर सभी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा सिविल एवं

फौजदारी न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। विशेष लोक अदालत में एनआई एक्ट की धारा–138 से संबंधित विभिन्न न्यायालयों में लंबित 268 मामलों को सूचीबद्ध किया गया, जिनमें से 29 मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण कराया गया। वहीं, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के ऋण वसूली से जुड़े 298 मामलों का भी सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। इन मामलों में पक्षकारों के बीच 48 लाख रुपये का समझौता कराया गया, जिससे बैंक और ऋणधारकों दोनों को राहत मिली। जनपद न्यायाधीश सुशील कुमार शशि ने अधिक से अधिक मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण कराने पर जोर देते हुए कहा कि लोक अदालतें सुलभ, त्वरित एवं कम खर्च में न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं पक्षकारों से भविष्य में भी लोक अदालतों का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।

छह शातिर चोर गिरफ्तार लाखों के सोने–चांदी के जेवर, ई–रिक्शा और मोबाइल बरामद

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर विस्तार थाना पुलिस ने ज्वैलरी शॉप में हुई चोरी की सनसनीखेज वारदात का 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए छह शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए बड़ी मात्रा में सोने–चांदी के जेवरात, सात एंड्रॉयड मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त ई–रिक्शा तथा नकदी बरामद की है। मामले में पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया।पुलिस के अनुसार, गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र स्थित गीतापुरी चौराहा, खरगापुर में संचालित वेंकटेश ज्वैलर्स के संचालक शैलेन्द्र सोनी ने 14 जुलाई को तहरीर देकर बताया था कि देर रात अज्ञात बदमाश उनकी दुकान का शटर तोड़कर सोने और चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर थाना गोमतीनगर विस्तार में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी ने विशेष टीम का गठन किया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की तथा पुराने अपराधियों के बारे में जानकारी जुटाई। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने बंधा रोड स्थित शालीमार अपार्टमेंट के निकट से छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों में धीरज यादव, नीरज कुमार चौधरी, सचिन राज, सर्वेश राज, धर्मेन्द्र निषाद और सुमित सिंह शामिल हैं। पूछताछ के बाद पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की गई बड़ी मात्रा में सोने और चांदी के आभूषण तथा पूजा सामग्री बरामद की।बरामदगी में करीब साढ़े तीन सौ ग्राम का चांदी का जग, तीन चांदी के लोटे, नौ गिलास, दो प्लेट नोजपिन, मंगलसूत्र की लड़, लॉकेट, चांदी एवं पीली धातु के अन्य आभूषण सहित बड़ी संख्या में चोरी का सामान बरामद हुआ।

आईजीआरएस रैंकिंग में लखनऊ नगर निगम का खराब प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। जनता की शिकायतों के निस्तारण में लखनऊ नगर निगम का प्रदर्शन प्रदेश के सबसे कमजोर नगर निगमों में शामिल हो गया है। शासन की ओर से जारी एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) की मई 2026 की मासिक रैंकिंग में लखनऊ नगर निगम प्रदेश के पांच सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले नगर निगमों में तीसरे स्थान पर रहा है। रिपोर्ट पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए खराब प्रदर्शन करने वाले सभी पांच नगर निगमों से स्पष्टीकरण तलब किया है।प्रमुख सचिव नगर विकास पी. गुरुप्रसाद ने खराब रैंकिंग वाले नगर निगमों के नगर आयुक्तों को पत्र जारी कर शिकायतों के निस्तारण में तत्काल सुधार के निर्देश दिए हैं। साथ ही दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है, जिसमें यह स्पष्ट करना होगा कि किन कारणों से शिकायतों के निस्तारण में अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी।जानकारी के अनुसार शासन प्रत्येक माह आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज होने वाली जन शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आधार पर नगर निगमों की रैंकिंग जारी करता है। निर्धारित समय सीमा के भीतर शिकायतों का समाधान कर उसका फोटो सहित विवरण पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है।

भवन के नवीनीकरण और जल निकासी सुधार के दिए निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने गुरुवार को नगर निगम के जोन–4 स्थित जोनल कार्यालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय भवन के नवीनीकरण, साफ–सफाई, जब्त सामान के निस्तारण, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की प्रगति तथा जल निकासी व्यवस्था में सुधार को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी, जोनल सेनेटरी ऑफिसर पंकज शुक्ला, अधिशासी अभियंता अतुल मिश्रा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कार्यालय भवन की स्थिति का अवलोकन करते हुए अधिशासी अभियंता को भवन के व्यापक नवीनीकरण के निर्देश दिए। उन्होंने भवन के द्वितीय तल पर आधुनिक बैठक कक्ष और रिवॉर्ड रूम विकसित करने के साथ ही कार्यालय परिसर में लिफ्ट स्थापित कराने के भी निर्देश दिए, ताकि अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत शांता फाउंडेशन ने गोपी घाट पर किया पौधारोपण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प के साथ जौनपुर में चल रहे श्एक पेड़ मां के नामश अभियान के तहत मंगलवार को शांता फाउंडेशन ने नगर के गोपी घाट पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने 10 पौधे रोपित कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर पूरे देश में चलाए जा रहे वृहद वृक्षारोपण अभियान का हिस्सा है। इसके तहत धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और सरकारी संस्थाएं बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रही हैं। शांता फाउंडेशन के अध्यक्ष ने कहा कि पौधारोपण का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध ऑक्सीजन, स्वच्छ वातावरण और हरित पर्यावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि संस्था अब तक हजारों पौधे लगा चुकी है और भविष्य में भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी सभी को निभानी चाहिए। पौधों के बड़े होने से पर्यावरण संतुलित रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सकेगा। कार्यक्रम में शांता फाउंडेशन की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष कल्पना गुप्ता, प्रबंधक दीप्ति गुप्ता, उपाध्यक्ष निशांत सिंह, ज्योति श्रीवास्तव, स्मित श्रीवास्तव, संध्या गुप्ता, पूनम विश्वकर्मा, शुभम रामदास सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

जौनपुर में 9 अगस्त को होगी चौथी जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता, 430 प्रतिभागियों का रखा गया लक्ष्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। योगा फेडरेशन जौनपुर की कोर कमेटी की बैठक जिलाध्यक्ष रजनी साहू की अध्यक्षता में शहर के एक होटल में आयोजित हुई। बैठक में आगामी चौथी जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता की तैयारियों और आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रजनी साहू ने बताया कि योगा फेडरेशन द्वारा पूरे प्रदेश में योगासन प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाता है। इसी क्रम में जौनपुर में चौथी जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता 9 अगस्त (रविवार) को मोहम्मद हसन डिग्री कॉलेज के सभागार में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष प्रतियोगिता में 267 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जबकि इस बार 430 बच्चों की भागीदारी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिले के विभिन्न विद्यालयों से संपर्क कर विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में 8 वर्ष से 25 वर्ष तक के बालक एवं बालिकाएं भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन सब जूनियर ग्रुप–ए, बी, सी, जूनियर ग्रुप–ए, बी तथा प्रोफेशनल ग्रुप में किया जाएगा। निष्पक्ष परिणाम सुनिश्चित करने के लिए इस बार भी राष्ट्रीय स्तर के पांच रेफरी आमंत्रित किए जाएंगे। सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा, जबकि विजेता और उपविजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। बैठक में प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों के चयन को लेकर भी कई नामों पर चर्चा हुई। पदाधिकारियों को संबंधित अतिथियों से संपर्क कर उनकी सहमति लेने की जिम्मेदारी सौंपी गई। रजनी साहू ने कहा कि पिछले वर्ष सभी पदाधिकारियों और सदस्यों के सहयोग से प्रतियोगिता का सफल एवं भव्य आयोजन हुआ था, जिसके लिए उन्होंने सभी को बधाई दी और इस बार भी उसी उत्साह के साथ आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में कोषाध्यक्ष रचित साहू, ऋषि कुमार, सन्नी यादव, तनुष्का साहू, प्रियांशी प्रजापति, अनुष्का साहू, नितेश मौर्या, लकी साहू सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। अंत में महासचिव डॉली गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए बैठक का समापन किया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सुनीं जनसमस्याएं, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह की उपस्थिति में तहसील मड़ियाहूँ सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को उनका गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान ग्राम चतुर्भुजपुर, विकास खंड बरसठी निवासी जगरनाथ द्वारा पथरगड्डी (मेड़बंदी) कराए जाने तथा ग्राम जैयरामपुर, गोपालापुर निवासी राजमन द्वारा राजस्व निरीक्षक के स्तर से पथरगड्डी न किए जाने के संबंध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। इस पर जिलाधिकारी ने प्रकरण नायब तहसीलदार मड़ियाहूँ को सौंपते हुए थाना प्रभारी मड़ियाहूँ के साथ संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम सुरेरी, परगना गोपालापुर, तहसील मड़ियाहूँ निवासी मकरन्द कुमार ने भूमि की पैमाइश कराए जाने के संबंध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी ने नायब तहसीलदार मड़ियाहूँ को मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में भूमि विवाद, पैमाइश, अतिक्रमण, राजस्व तथा अन्य विभागों से संबंधित विभिन्न शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण पूर्ण पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं निर्धारित समय–सीमा के भीतर किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने पाए। उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व संबंधी मामलों में संयुक्त रूप से मौके पर जाकर जांच करें तथा विवादित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही आईजीआरएस एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण किया जाए तथा न्यायालयों के आदेशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कराया जाए। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का प्रभावी एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 180 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 06 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी देवी, परियोजना निदेशक श्री के.के. पांडेय, उपजिलाधिकारी मड़ियाहूँ, तहसीलदार, नायब तहसीलदार मड़ियाहूँ सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जगन्नाथ पुरी बनी लक्ष्मण नगरी, रथ की डोरी थाम आस्था में डूबे श्रद्धालु

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में ऐसा प्रतीत हुआ मानो जगन्नाथ पुरी की आस्था लक्ष्मण नगरी में उतर आई हो। ढोल–नगाड़ों की गूंज, जय जगन्नाथ के उद्घोष, जगह–जगह पुष्पवर्षा और इत्र की खुशबू के बीच भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा महारानी नगर भ्रमण पर निकले तो श्रद्धालु भक्ति में सराबोर नजर आए। भक्तों ने प्रभु के रथ की डोरी थामकर उसे आगे बढ़ाया, कई स्थानों पर रथ के आगे झाड़ू लगाकर आशीर्वाद लिया और पूरे शहर को भक्ति के रंग में रंग दिया। चौक स्थित बड़ी कालीजी मंदिर से निकली सबसे भव्य रथयात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। देशी–विदेशी फूलों से सजे मुख्य रथ पर भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा महारानी विराजमान थे, जबकि पांच अन्य रथों पर राधा–कृष्ण, सीता–राम, पार्वती–शंकर, हनुमानजी, दुर्गा मां सहित अन्य देवी–देवताओं की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

लूट का मामला फर्जी पुलिस ने किया खुलासा पैसों का गबन करने के लिए लूट की झूठी सेल्स मैंन ने कहानी गढ़ी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में नगर कोतवाली थाना अंतर्गत शुक्रवार शाम हुई 68,840 की कथित लूट का मामला फर्जी निकला है। पुलिस ने शराब कारोबारी के कर्मचारी विकास यादव के खिलाफ गबन और विश्वासघात का मुकदमा दर्ज किया है। सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने शनिवार को इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि शुक्रवार शाम 6 बजे डायल 112 पर सूचना मिली थी कि कोतवाली क्षेत्र के भंडारी अंडरपास के पास एक व्यक्ति से तमंचे की नोक पर लगभग एक लाख रुपये लूटे गए हैं। सूचना मिलते ही कोतवाली और लाइन बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों के बयान दर्ज किए। साक्ष्यों के अवलोकन के बाद पुलिस को घटनास्थल पर लूट की संभावना कम लगी। शाम 6 बजे सड़क पर आवाजाही रहती है, और वादी के बयान में विरोधाभास था। घटनास्थल से मात्र 10 मीटर की दूरी पर लगे सीसीटीवी फुटेज में भी ऐसी कोई घटना नहीं दिखी। वादी विकास यादव से गहन पूछताछ और उसके कॉल रिकॉर्ड की जांच के बाद सच्चाई सामने आई। विकास यादव का काम शराब की दुकान से पैसे लेकर मालिक को देना था। उसने अपने दोस्त के साथ मिलकर पैसों का गबन करने के लिए लूट की झूठी कहानी गढ़ी थी। पुलिस ने विकास यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है। बताया गया है कि वह पहले भी इस तरह के काम में शामिल रहा है और लालच में आकर उसने यह कृत्य किया।

मेडिकल कालेज में शराब के नशे में धुत्त गार्ड का हंगामा शिकायत पर मेडिकल कालेज के प्राचार्य ने की कार्रवाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित अमर शहीद उमानाथ सिंह स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय में शराब के नशे में धुत्त गार्ड द्वारा अभद्रता व दुर्व्यवहार का मामला प्रकाश में आया। मरीजों के साथ बदत्तमीजी करने से रोकने पर, गार्ड वहां मौजूद पत्रकार विद्याधर विद्यार्थी से भिड़ गया और अनाप–शनाप बोलने लगा, पत्रकार द्वारा गार्ड की हरकतों की लिखित शिकायत मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य आर. बी कमल से की गई तो उन्होंने गार्ड को बुलवाकर शराब के नशे में होने की जांच–पड़ताल कराकर शिकायत पुष्टी की, जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई तो गार्ड के खिलाफ कार्रवाई की बात प्राचार्य द्वारा कही गई। मेडिकल कालेज प्राचार्य प्रो आर बी कमल ने बताया कि, गार्ड के रुप में नौकरी कर रहा मनोज कुमार सिंह पुत्र त्रिभुवन नाथ सिंह खानापट्टी, सिकरारा जौनपुर का निवासी है। भारत रक्षा मंत्रालय से संबद्ध पूर्व सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से मेडिकल कॉलेज में नौकरी कर रहा है । शिकायत को गम्भीरतापूर्वक लेते हुए जांच की गई जांच में गार्ड मनोज कुमार सिंह के शराब के नशे में होनी पुष्टि हुई है।गार्ड को हटाने के लिए निगम को पत्र लिख दिया गया है । खास बात यह है कि, जहां हजारों की संख्या में रोज मरीज उपचार के लिए आते हों, वहां ऐसी हरकतों की जानकारी मेडिकल कालेज प्रशासन को न होना पूरी व्यस्था पर सवालिया निशान खड़ा करता है ।

जौनपुर सिटी स्टेशन पर संत रविदास अमृत भारत एक्सप्रेस का भव्य स्वागत, अनुयायियों ने पुष्पवर्षा कर किया अभिनंदन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में संत रविदास की तपोस्थली छेराहटा (अमृतसर) से उनकी जन्मस्थली वाराणसी के बीच संचालित संत रविदास अमृत भारत एक्सप्रेस (14623/14624) का शनिवार को जौनपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर पहली बार किसी राजनीतिक प्रतिनिधि के बजाय संत रविदास पंथ के अनुयायियों ने पारंपरिक तरीके से ट्रेन की अगवानी कर एक नई परंपरा की शुरुआत की। ट्रेन अपने निर्धारित समय से लगभग 20 मिनट पहले सुबह करीब 11 बजे जौनपुर सिटी स्टेशन पहुंची। वरिष्ठ समाजसेवी रमेश बौद्ध और रमेश चंद्र गौतम के नेतृत्व में बड़ी संख्या में रविदासिया समाज के श्रद्धालुओं ने लोको पायलट और गार्ड का माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया। श्रद्धालुओं ने ट्रेन में सवार संत रविदास पंथ के अनुयायियों का भी गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति और जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता के नेतृत्व में मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने ट्रेन में यात्रा कर रहे संतजनों एवं श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। पूरे स्टेशन परिसर में श्रद्धा, उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। समाजसेवी पलटू राम ने इस रेल सेवा को सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि संत रविदास के नाम पर शुरू की गई यह ट्रेन लंबे समय से समाज की मांग थी। उन्होंने कहा कि इस सेवा से श्रद्धालुओं के साथ–साथ आम यात्रियों को भी बड़ी सुविधा मिलेगी और सामाजिक–आध्यात्मिक संबंधों को मजबूती मिलेगी। रेलवे प्रशासन की ओर से कार्यक्रम के संयोजक एवं नोडल अधिकारी अनुराग तिवारी ने स्टेशन पहुंचे सभी संत रविदास पंथियों और अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का समन्वय किया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर आरपीएफ चौकी प्रभारी विजय शंकर पांडे और जीआरपी प्रभारी रविंद्र पटेल अपनी–अपनी टीम के साथ पूरे समय मुस्तैद रहे। निर्धारित ठहराव के बाद संत रविदास अमृत भारत एक्सप्रेस सुबह 11रू03 बजे वाराणसी के लिए रवाना हो गई। श्रद्धालुओं ने इसे संत रविदास की तपोस्थली और जन्मस्थली को जोड़ने वाली ऐतिहासिक रेल सेवा बताते हुए इसके नियमित संचालन पर खुशी जताई।

परिवार न्यायालय प्रथम का अधिवक्ताओं ने किया अनिश्चितकालीन बहिष्कार, न्यायाधीश के स्थानांतरण तक कार्य न करने का ऐलान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ, जौनपुर ने प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय प्रथम विमल प्रकाश आर्या के न्यायालय का अनिश्चितकालीन बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। शुक्रवार को आयोजित आपात बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए अधिवक्ताओं ने घोषणा की कि संबंधित न्यायिक अधिकारी के स्थानांतरण तक कोई भी अधिवक्ता उनके न्यायालय में न्यायिक कार्य नहीं करेगा। शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक हुई बैठक में बड़ी संख्या में अधिवक्ता शामिल हुए। बैठक के दौरान अधिवक्ताओं ने पूरे दिन न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया, जिसकी सूचना न्यायालय प्रशासन को भी दी गई। अधिवक्ता संघ का आरोप है कि प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय प्रथम द्वारा अधिवक्ताओं के साथ लगातार अपमानजनक और असम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में 16 जुलाई को जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जौनपुर, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय तथा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायमूर्ति को प्रार्थना पत्र भेजकर न्यायिक अधिकारी के स्थानांतरण की मांग की गई थी।

संघ का कहना है कि शिकायत के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे अधिवक्ताओं में रोष व्याप्त है। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ताओं के सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और जब तक संबंधित न्यायिक अधिकारी का स्थानांतरण नहीं होता, तब तक उनके न्यायालय का बहिष्कार जारी रहेगा। बैठक के अंत में सभी अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव का समर्थन करते हुए एकजुट रहने और बहिष्कार को सफल बनाने का संकल्प लिया।

'जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बिलग्राम तहसील में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' शनिवार को तहसील बिलग्राम में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधि

ाकारी ने आमजन की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और संबंधित अधि ाकारियों को प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, विद्युत, जल निगम, समाज कल्याण, खाद्य एवं रसद, पेंशन, आवास तथा अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए तथा शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। सुनवाई के दौरान वरासत की एक शिकायत लंबे समय से लंबित पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित राजस्व अधि ाकारियों से विलंब का कारण पूछा और स्पष्ट निर्देश दिए कि वरासत एवं अन्य राजस्व मामलों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर हर हाल में किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही, अनावश्यक विलंब या उदासीनता किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी तथा दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद एवं कब्जे से संबंधित मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जांच करने तथा निष्पक्ष कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्युत, पेयजल, सड़क एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतों का त्वरित समाधान करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य जनता की समस्याओं का प्रभावी समाधान कर प्रशासन के प्रति विश्वास को मजबूत करना है। इस अवसर पर पुलिस अध ीक्षक अशोक कुमार मीणा ने फरियादियों की समस्याओं को सुना तथा संबंधित को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पुलिस अध ीक्षक व प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी के साथ तहसील परिसर मे पौध ारोपण किया। इस अवसर पर प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी जेबी शैडें, उप जिलाधिकारी बिलग्राम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी भावनाथ पाण्डेय, परियोजना निदेशक डीआरडीए अशोक कुमार मौर्य सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी पुलिस विभाग से सम्बन्धित थानाध्यक्ष उपस्थित रहे।

15 अगस्त सहित अन्य पर्वो को सकुशल सम्पन्न कराना प्रमुख प्राथमिकता - अनिल प्रकाश सिंह

अयोध्या।आगामी श्रावण मास मेला,रक्षाबंधन एवं स्वतंत्रता दिवस के दौरान अयोध्या आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जीआरपी ने व्यापक रणनीति तैयार करनी शुरू कर दी है।इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन अनिल प्रकाश सिंह ने बताया कि राम मंदिर, सावन मेला,15 अगस्त,रक्षा बंधन,श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दौरान अयोध्या कैण्ट, अयोध्या ध ाम जंक्शन एवं रामघाट हाल्ट रेलवे स्टेशनों पर श्रद्धालुओं व रेल यात्रियों की काफी संख्या में भीड़ सामान्य की अपेक्षा अत्यधिक रहती है।बताया कि जिसके चलते मुख्यालय से अधिक सुरक्षा कर्मियों की मांग की गई है।बताया कि उन्होंने मुख्यालय से 2 दर्जन उप निरीक्षक,150 हेड कांस्टेबल,2दर्जन मुख्य आरक्षी महिला,2 प्लाटून पीएसी,बीडीएस,एस चेक टीम,हैंड सेट व डाग स्क्वायड टीम की मांग की गई है।जिससे आने वाले पर्व व त्यौहार में इन स्टेशनों की संवेदनशीलता को देखते हुए जीआरपी पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जा सके।जिससे रेल यात्रियों की सुरक्षा बनी रहे।वही स्टेशन परिसर,ट्रेनों मे जहर खुरानी, जेबकतरों, चोरी, लूटपाट जैसी घटनाओं को अंजाम देने वाले अपराधियों पर विशेष नजर रखी जा सके।बताया कि आने वाले दिनों मे असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को रोकने के लिए रेलवे स्टेशन, प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय, पार्किंग एवं आसपास के क्षेत्रों में सघन निगरानी की जाएगी।वही सीसीटीवी कैमरों की सतत मॉनिटरिंग, संदिग्ध व्यक्तियों की जांच, डॉग स्क्वॉड एवं बम निरोधक दस्तों की सक्रियता बढ़ाने के साथ यात्रियों को जागरूक भी किया जाएगा।भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती तथा रेलवे अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थिति में प्राथमिक विद्यालय परिसर में खेल उपकरण से लटका मिला अधेड़ का शव, पुलिस जांच में जुटी

ब्यूरो चीफ – आलोक कुमार श्रीवास्तव

(सुलतानपुर)। बल्दीराय थाना क्षेत्र की वलीपुर पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सभा दौनौ स्थित प्राथमिक विद्यालय पूरे जमादार में शनिवार को एक अधेड़ का शव खेल उपकरण (ओपन जिम) से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान महेश कुमार तिवारी (59 वर्ष) पुत्र हौसिला प्रसाद तिवारी, निवासी पूरे भोला तिवारी के रूप में हुई। घटना की जानकारी परिजनों ने डायल 112 पर दी। सूचना मिलते ही थाना बल्दीराय से पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थाना बल्दीराय के उपनिरीक्षक रामविलास यादव ने डायल 112 पुलिस के साथ मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की।मौके पर फॉरेंसिक टीम ने मृतक के कुछ कपड़े तथा मफलर को कब्जे में लिया । पुलिस ने शव को पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व मे महिला उप निरीक्षक प्रिया ने मिशन शक्ति अभियान के तहत किया जागरुक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। घर से बाहर निकलते समय महिलाये व बालिकाये विशेष सावधानी बरतें।बाहर निकलते समय आसपास की गतिविधियों पर अवश्य ध्यान दे और देखे कि किसी अजनबी व संदिग्ध व्यक्तियों की आप पर नजर तो नहीं है।यह बातें शनिवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व मे महिला उप निरीक्षक प्रिया ने पीआरडी कंचन व अन्य महिला पुलिस कर्मियों के साथ गुलाबबाड़ी,रीडगंज व अन्य चौराहों पर अभियान चलाते समय महिलाओ व बालिकाओं से कहीं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद महिलाओ व बालिकाओं से अपील किया कि आप सभी अपने आसपास दिखाई देने वाले संदिग्ध वस्तुओं व व्यक्तियों पर विशेष ध्यान दें। किसी भी तरह की असम का देखते हुए इसकी सूचना महिला पुलिस व स्थानीय पुलिस को दे।उन्होंने कहा कि जिससे समय रहते किसी भी अप्रिय घटना से निपटा जा सके।इसके अलावा उन्होंने अन्य प्रमुख चौराहों तथा मार्गों पर मिशन शक्ति अभियान फेज – 5 के तहत महिलाओ व अन्य लोगो को जागरुक किया।इस मौके पर उन्होंने महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक करते हुए सुरक्षात्मक उपाय बताया।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स जानकारी दिया।उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें।कहा जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

टिन्नू यादव और मनीष यादव 39 घंटे पुलिस रिमांड पर

अयोध्या। राम मंदिर चंदा घोटाला बहुचर्चित मामले में अयोध्या पुलिस ने टिन्नू यादव और मनीष यादव को अपनी कस्टडी में लेकर पुलिस लाइन पहुंचाया।जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है।अदालत से दोनों आरोपियों की 39 घंटे की पुलिस रिमांड मिलने के बाद पुलिस अब उनसे गहन पूछताछ करेगी।पुलिस रिमांड के दौरान मामले से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों, साक्ष्यों और अन्य संदिग्ध पहलुओं की जांच की जाएगी।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की कार्रवाई पर सभी की नजर बनी हुई है।

चोरी के मामले में तीन दिन पहले ले गई थी पुलिस, गुस्साए परिजन, जांच की मांग

वाराणसी, (संवाददाता)। आजमगढ़ मंडलीय जिला कारागार में बृहस्पतिवार शाम एक कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने मौत पर सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। मृतक की पहचान मऊ जिले के दोहरीघाट थाना क्षेत्र स्थित नया चौक निवासी विक्रम (24) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, विक्रम के खिलाफ जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र में दर्ज एक चोरी के मामले में कार्रवाई हुई थी। उस मामले में वह पहले जेल जा चुका था। जेल से रिहा होने के बाद उसने न्यायालय में पेशी पर जाना बंद कर दिया, जिसके चलते अदालत से उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हो गया। मृतक के भाई विक्की ने बताया कि करीब तीन दिन पहले जीयनपुर पुलिस घर पहुंची और विक्रम को अपने साथ कोतवाली ले गई। वहां से उसे मंडलीय जिला कारागार भेज दिया गया। बृहस्पतिवार शाम करीब साढ़े चार बजे जेल प्रशासन की ओर से परिजनों को सूचना मिली कि विक्रम की मौत हो गई है। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने घटना पर गंभीर सवाल उठाए। विक्की का कहना है कि विक्रम पूरी तरह स्वस्थ था। उसे किसी प्रकार की गंभीर बीमारी नहीं थी और न ही उसकी तबीयत खराब थी। उन्होंने कहा कि पुलिस उसे घर से सकुशल लेकर गई थी, ऐसे में अचानक मौत कैसे हो गई, यह समझ से परे है। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा करने की मांग की है। उनका कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही सच्चाई सामने आएगी। फिलहाल पुलिस का कहना है कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण स्पष्ट होंगे और उसी के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

डीएम की अध्यक्षता में रुदौली तहसील में समाधान दिवस संपन्न

अयोध्या।जिले की रुदौली तहसील में आयोजित संपूर्ण समाध ाान दिवस डीएम शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।इस मौके पर भारी संख्या में अपनी–अपनी समस्याओं को लेकर फरियादी उपस्थित हुए।इस मौके पर रुदौली विधायक रामचंदर यादव भी मौजूद रहे।समाधान दिवस मे कई समस्याओं का निस्तारण डीएम ने मौके पर कर दिया और शेष की निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।समाधान दिवस में सबसे अधिक शिकायतें सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे, एक लेखपाल के रिटायर होने के बाद भी सरकारी आवास न खाली करना व नियमित रूप से तहसील आना व कार्य करना, नगर पालिका क्षेत्र में अवैध कूड़ा डंपिंग, जाम नालियों, जलभराव और चारों ओर फैली गंदगी से जुड़ी रहीं।इसके अलावा नवगठित मां कामाख्या धाम नगर पंचायत में विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत चल रहे निर्माण कार्यों में कथित लापरवाही, अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप भी प्रमुखता से उठाए गए। फरियादियों का कहना था कि कई मामलों में संबंधित विभागों से बार–बार शिकायत करने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है।लोगों ने प्रशासन से प्रभावी कार्रवाई की मांग करते हुए जनहित से जुड़े मामलों का शीघ्र निस्तारण करने की अपील की।समाधान दिवस में उमड़ी भीड़ इस बात का संकेत रही कि क्षेत्र में अनेक जनसमस्याएं अब भी लंबित हैं और लोग उनके समाधान के लिए उच्च अधिकारियों से सीधे हस्तक्षेप की अपेक्षा कर रहे हैं।प्रशासन ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधि ाकारियों को समयबद्ध एवं निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए।इस मौके पर सीओ अरविन्द सोनकर सहित कई विभागों के अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

किसान भाइयों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उपहार

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' उप कृषि निदेशक डॉ0 राजेश कुमार ने बताया है, कि कृषि विभाग द्वारा संचालित नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजनान्तर्गत सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन अन्तर्गत फार्म मशीनरी बैंक, कस्टम हायरिंग सेन्टर, कृषि ड्रोन, अन्य एकल कृषि यंत्र तथा प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्पटल मैक्रेनाइजेशन फॉर इन–सीटू मैनेजमेन्ट ऑफ क्रॉप रेज्ड्यू अन्तर्गत फसल अवशेष प्रबन्धन के एकल कृषि यंत्र, कस्टम हायरिंग सेन्टर तथा एग्रीग्रेटर एवं अन्य योजनाओं के कृषि यंत्रध्कृषि रक्षा उपकरण पर अनुदान प्राप्त करने हेतु आवेदन के लिये बुकिंग 10 अगस्त 2026 रात्रि 12.00 बजे तक की जायेगी। उन्होंने बताया कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन के अन्तर्गत कस्टम हायरिंग सेन्टर (परियोजना लागत रु० 10 लाख), फार्म मशीनरी बैंक (परियोजना लागत रु० 10 लाख), किसान ड्रोन एवं अन्य एकल कृषि यंत्र। फसल अवशेष प्रबन्धन के अन्तर्गत फसल अवशेष प्रबन्धन के एकल कृषि यंत्र, कस्टम हायरिंग सेन्टर (परियोजना लागत रु० 30 लाख) एवं एग्रीग्रेटर (परियोजना लागत रु० 100.00 लाख)। त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम बैच ड्रायर, पॉपिंग मशीन। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत मिलेट्स पार्लर। यंत्रों की बुकिंगध आवेदन विभागीय पोर्टल ूंहतपबनसजनतम.नच.हवअ.पद पर ऑनलाइन विकासखण्डवार की जायेगी। एग्रीग्रेटर एवं शुगर केन हार्वेस्टर सेल्फ प्रोपेल्ड की बुकिंगध्आवेदन विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन राज्य स्तर पर की जायेगी। विभाग के पोर्टल लिंक पर किसान कॉर्नर के अन्तर्गत यंत्र बुकिंग प्रारम्भ पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। अधि ाक जानकारी हेतु कृषक उप कृषि निदेशक कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध है।

'जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील सदर में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'शाहजहांपुर' जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में तहसील सदर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने तहसील में फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं को सुना।जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो

पूर्ण साज–सज्जा के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की सवारी

प्रयागराज, (संवाददाता)। गुरुवार को भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा धूमधाम एवं पूर्ण साज–सज्जा के साथ निकाली गई। 20 फीट ऊंचे 14 फीट चौड़े 16 पहियों वाले नदी घोष रथ पर सवार होकर भगवान जगन्नाथ, जगन्नाथ पुरी धाम से मंगाये गये त्रैलोक्य मोहिनी ध्वज और नील चक्र से सुशोभित रथ से यात्रा निकाली गई। रथ में में प्रेम और भक्ति के स्वरूप दो तोते रथ के शिखर पर और सत्य, धर्म, न्याय और कर्म के प्रतीक के रूप में चार श्वेत अश्वों के ऊपर बैठे रहें भगवान जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र बहन सुभद्रा जी। रथयात्रा संयोजक राजेश केसरवानी ने बताया कि इसके पहले भगवान जगन्नाथ जी की आरती उतारी गई। आरती में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी कर दिया, महापौर गणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, डॉ उदय प्रताप सिंह, सांसद उज्जवल रमण सिंह, विधायक, कई दर्जन पार्षद ट्रस्ट के सदस्य व भक्तिजन शामिल हुए। रथ यात्रा हाटकेश्वर मंदिर से प्रारंभ होकर एस सी बसु रोड, चमेली बाई धर्मशाला, हीवेट रोड ,जॉनसेन गंज, घंटाघर, बताशा मंडी,बहादुरगंज, सुलाकी चौराहा, राम भवन, मुट्ठीगंज, सत्तीचौरा, बलुआ घाट, कटघर ,होते हुए प्रयागेश्वर नाथ मंदिर जगन्नाथ धाम काशीराज नगर कटघर में समाप्त हुई।

बाइक फिसलते ही जमीन से टकराया सिर, बच्चे को स्कूल छोड़कर घर लौट रहे युवक की मौत

वाराणसी, (संवाददाता)। वाराणसी के लोहता थाना क्षेत्र के छितौनी गांव के पास शुक्रवार सुबह बारिश के दौरान हुए सड़क हादसे में एक शटरिंग मिस्त्री की मौत हो गई। वह अपने

बेटे को निजी स्कूल छोड़कर घर लौट रहे थे। रास्ते में फिसलन भरी सड़क पर बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। सिर में गंभीर चोट लगने और अधिक रक्तस्राव के कारण उनकी जान चली गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान सिरसा गांव निवासी अभिषेक उपाध्याय (35) के रूप में हुई है। वह शटरिंग मिस्त्री का काम करते थे। परिजनों ने बताया कि अभिषेक रोज सुबह अपने बच्चे को घर से करीब साढ़े तीन किलोमीटर दूर स्थित एक निजी स्कूल छोड़ने जाते थे। शुक्रवार को भी वह बच्चे को स्कूल छोड़कर वापस घर लौट रहे थे। बताया गया कि घर से करीब दो किलोमीटर पहले छितौनी गांव के पास अचानक उनकी बाइक फिसल गई। लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क पर काफी फिसलन थी। बाइक से गिरने के दौरान उनका सिर सड़क से जोरदार तरीके से टकराया, जिससे उन्हें गंभीर चोट लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सिर से काफी खून बहने लगा और वह मौके पर ही अचेत हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें पहचानकर तत्काल परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया।

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, जिला अस्पताल रेफर

अयोध्या। रायबरेली हाईवे पर शनिवार सुबह एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से 18 वर्षीय बाइक सवार किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया।यह घटना इनायतनगर थाना क्षेत्र के मुंगीशपुर गांव के पास हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि किशोर बाइक समेत हाईवे किनारे गड्ढे में जा गिरा,जिससे बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और 1033 एंबुलेंस को सूचना श्दी। सूचना मिलने पर एंबुलेंस कर्मी और इनायतनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम में सीसी प्रभारी जोखन यादव और कांस्टेबल अशोक वर्मा शामिल थे। घायल किशोर को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मिल्कीपुर ले जाया गया।सीएचसी में चिकित्सक डॉ. अनिल कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।पुलिस के अनुसार, घायल की पहचान इनायतनगर थाना क्षेत्र के मंजनाई पूरे पिड़िया गांव निवासी अंकित (18) पुत्र राम गरीब के रूप में हुई है। बताया गया कि अंकित शनिवार सुबह मिल्कीपुर से कुचेरा जा रहा था, तभी मुंगीशपुर गांव के पास पीछे से आए एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर इनायतनगर थाने पहुंचा दिया है।अज्ञात वाहन की पहचान और उसके चालक की तलाश की जा रही है। घटना के बाद कुछ समय के लिए हाईवे पर अफरा–तफरी का माहौल रहा, जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात सामान्य कर नियंत्रित किया।

मानसून के बाद सहेजा जाएगा जोहरा बाग, मजबूत की जाएगी बुनियाद, अब 60 लाख से होगा संरक्षण

आगरा, (संवाददाता)। दो साल पहले भारी बारिश में गिरा जोहरा बाग का बुर्ज तीन महीने बाद सहेजा जाएगा। बारिश शुरू होने के बाद यमुना में आए उफान के कारण जोहरा बाग तक बनाए गए सीसी रास्ते के क्षतिग्रस्त होने के कारण वहां तक सामान पहुंचाना मुमकिन नहीं है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इसके संरक्षण में पहले चरण में 60 लाख रुपये खर्च करेगा। यमुना नदी के किनारे रामबाग और चीनी का रोजा के बीच में बने जोहरा बाग में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण बुनियाद की मजबूती के साथ यमुना की बाढ़ से बचाने के लिए पत्थरों की दीवार बनाएगा, जिससे पानी स्मारक से सीधा न टकराए। ताजमहल के पीछे भी इसी तरह पत्थरों का रैंप बनाया गया है। अध ीक्षण पुरातत्वविद डॉ. स्मिता कुमार ने बताया कि थ्री–डी मैपिंग की जा चुकी है। 60 लाख रुपये इसके संरक्षण पर खर्च होंगे। बारिश खत्म होने के बाद ही काम कराना मुमकिन हो पाएगा। सामान पहुंचाने के लिए यमुना किनारे रास्ता है, जो बाढ़ के पानी में डूब जाता है। दो साल पहले चार मंजिला स्मारक जोहरा बाग की तीन मंजिलें गिर गई थीं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पूर्व वरिष्ठ संरक्षण सहायक डॉ. आरके दीक्षित के मुताबिक जोहरा बाग एक नहीं, बल्कि चार बादशाहों के समय तामीर किया गया एकमात्र रिवरफ्रंट गार्डन है। बाबर से लेकर शाहजहां तक यह बाग भव्य रहा। हालांकि, ऑस्ट्रियाई इतिहासकार एबा कोच की पुस्तक द कंप्लीट ताजमहल के मुताबिक यह बाग मुमताज महल ने बनवाया। वर्ष 1631 में मुमताज की मृत्यु के बाद उनकी पुत्री जहांआरा को दिया गया। बाग–ए–जहांआरा से यह जोहरा बाग में बदल गया। जोहरा बाग अब बेशक बदहाल है।

बेटे के घर आई वृद्धा की हत्या

उन्नाव, (संवाददाता)। आवास–विकास कालोनी में बेटे के घर आई वृद्धा की सिर पर वजनदार चीज से वार कर हत्या कर दी गई। खून से लथपथ शव घर के कमरे में ही पड़ा मिला। जांच के दौरान पुलिस को मृतका का बेटा और बहू घर में नहीं मिले। पौत्र और पौत्री ने खून की उल्टी होने की बात बताई। मां की मौत की सूचना पर पहुंचे अन्य बेटों ने भाई व उसके परिवार पर जमीन के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की। सदर कोतवाली के मोहल्ला कासिमनगर निवासी भतूलन (85) पत्नी मो. हनीफ, को बुधवार शाम को दही थानाक्षेत्र में आवास–विकास कॉलोनी ए ब्लॉक निवासी बेटा का बेटा जहीर उर्फ

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।